Fe – गृहस्थ का दृष्टान्त मत्ती १३:५१-५३ | 1

– Save This Page as a PDF–

गृहस्थ का दृष्टान्त

मत्ती १३:५१-५३

खोदाई: यह दृष्टांत महाजाल के दृष्टांत के साथ कैसे मेल खाता है? प्रत्येक दृष्टांत क्या दर्शाता है? ऐसा कैसे? प्रेरितों को वास्तव में स्वर्ग के राज्य की कितनी समझ थी? उनके लिए अब भी क्या रहस्य था? यीशु ने उन्हें मसीहा साम्राज्य के बारे में क्या सिखाया? कोई पुरानी चीज़ क्या थी? नया क्या होगा? जिन नौ दृष्टांतों का हमने अध्ययन किया है उनमें आप किस विचार का प्रवाह देखते हैं?

चिंतन: नौ दृष्टांतों में से आपने किस दृष्टांत से सबसे अधिक सीखा? क्यों? इस समय आपके जीवन पर कौन सा सबसे अधिक लागू होता है? क्यों? कौन सा आपको चीज़ों को देखने का अपना नज़रिया बदलने के लिए प्रेरित करता है? क्यों?

गृहस्थ के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु यह है कि रहस्यमय राज्य के कुछ पहलुओं में परमेश्वर के राज्य के अन्य पहलुओं के साथ समानताएं हैं, जबकि अन्य पहलू नए हैं और अन्यत्र नहीं पाए जाते हैं।

चौथा दोहा महाजाल (बचाया और खोया) और गृहस्थ (पुराना और नया) के दृष्टांतों से बना है, जहां हम वर्तमान जीवन और भविष्य के मसीहा साम्राज्य के जीवन के बीच कुछ तुलनाएं देखते हैं। यीशु अब गलील सागर के किनारे भीड़ के सामने नहीं, बल्कि पतरस के घर में अपने चेलों के साथ अकेले हैं।

संक्षेप में, फिर, यीशु ने पूछा: क्या आप समझ गए हैं कि मैं इन दृष्टान्तों में रहस्यमय स्वर्ग के राज्य के बारे में क्या कह रहा हूँ? “हाँ,” उन्होंने उत्तर दिया (मत्ती १३:५१)। लेकिन बाद में उन्होंने जो कहा और किया, उससे हम जानते हैं कि उनकी समझ बिल्कुल सही नहीं थी। हालाँकि, वास्तव में, यीशु ने उनसे यह अपेक्षा नहीं की थी कि वे उस समय सब कुछ ठीक से जान लेंगे। इसे प्रगतिशील रहस्योद्घाटन कहा जाता है। तानाख के धर्मी लोगों के लिए अनुग्रह का वितरण एक रहस्य था, और उन्हें धीरे-धीरे और व्यवस्थित रूप से सिखाया जाना था। वे आध्यात्मिक बच्चे थे, और जिस तरह हम यह उम्मीद नहीं करते हैं कि बच्चे पैदा होते ही सब कुछ जान लें, न ही यीशु ने बारहों से यह उम्मीद की थी कि वे उस समय राज्य को पूरी तरह से समझ सकेंगे। तो उस समय जिस स्तर पर वे समझ पा रहे थे-समझ रहे थे।

मसीहा जल्द ही अपने शिष्यों को फसल के परमेश्वर से अपने फसल क्षेत्र में

Fe – गृहस्थ का दृष्टान्त मत्ती १३:५१-५३ | 2

श्रमिकों को भेजने के लिए कहने का निर्देश देगा (मत्ती ९:३८) – मुक्ति और न्याय की आने वाली फसल की घोषणा करने के लिए। उन्हें लोगों को इसके बारे में चेतावनी देनी थी और उन्हें बताना था कि उन्हें कैसे बचाया जा सकता है, और यह भी कि जब तक संभव हो वे नरक की पीड़ा से कैसे बच सकते हैं। लगभग तुरंत ही हम देखेंगे कि पापियों के उद्धारकर्ता ने इस महत्वपूर्ण मंत्रालय के लिए अपने लोगों को पढ़ाना और प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है (देखें Fm– राजा मसीहा द्वारा बारह का प्रशिक्षण)।

उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया के आधार पर,
उसने उनसे कहा: इसलिए, प्रत्येक टोरा-शिक्षक जिसे स्वर्ग के राज्य के बारे में निर्देश दिया गया है, वह एक घर के मालिक की तरह है जो अपने भंडार कक्ष से पुराने के साथ-साथ नए खजाने भी लाता है (मत्ती १३:५२). राज्य के रहस्यमय स्वरूप के कुछ पहलू परमेश्वर के राज्य के पिछले और मौजूदा पहलुओं से लिए गए हैं। दूसरे शब्दों में, मसीहा साम्राज्य के दौरान, कुछ चीज़ें वैसी ही रहेंगी जैसी वे अभी हैं। हम अपने मित्रों और परिवार को पहचानेंगे जो आस्तिक थे, हम उनके साथ संगति रखेंगे, हमारे पास सार्थक आध्यात्मिक मंत्रालय होगा, और हम प्रभु की पूजा करेंगे। हालाँकि, अन्य पहलू भी होंगे जो बिल्कुल नए हैं: हमारे पास हमारे पुनरुत्थान वाले शरीर होंगे, शैतान को बांध दिया जाएगा, राजा डेविड त्ज़ियोन से शासन करेंगे, लेकिन सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, यीशु मसीह शहर में मंदिर से शासन और शासन करेंगे। .

जब येशुआ ने ये दृष्टांत समाप्त किए तो सूर्यास्त के बाद, वह कफरनहूम से आगे बढ़ गया (मत्ती १३:५३)। वह गलील सागर के दूसरी ओर जाने के लिए अपने प्रेरितों के साथ एक नाव पर चढ़ गया।

जिन नौ दृष्टांतों पर हमने गौर किया है, उनमें विचार का एक बुनियादी प्रवाह विकसित होता है: (१) मिट्टी का दृष्टांत (Et) सिखाता है कि पूरे चर्च युग में सुसमाचार का बीजारोपण होगा। (२) बीज के अपने आप उगने का दृष्टांत (Eu) सिखाता है कि सुसमाचार के बीज में एक आंतरिक ऊर्जा होगी जिससे वह अपने आप जीवन में आ जाएगा।
(३) गेहूँ और जंगली घास का दृष्टांत (Ev) सिखाता है कि सच्ची बुआई का अनुकरण झूठी प्रति-बुवाई द्वारा किया जाएगा। (४) सरसों के बीज का दृष्टांत (Ew) सिखाता है कि दृश्यमान चर्च असामान्य बाहरी विकास ग्रहण करेगा। (५) ख़मीर का दृष्टांत (Ex)

Fe – गृहस्थ का दृष्टान्त मत्ती १३:५१-५३ | 3

सिखाता है कि दृश्य चर्च का सिद्धांत भ्रष्ट हो जाएगा। (६) छिपे हुए खजाने का दृष्टांत (Fb) सिखाता है कि सैद्धांतिक भ्रष्टाचार के साथ भी, एक अवशेष को इज़राइल से बचाया जाएगा। (७) मोती का दृष्टांत (Fc) सिखाता है कि अदृश्य सार्वभौमिक चर्च के अन्यजातियों को भी मसीह का बचाने वाला ज्ञान प्राप्त होगा। यहूदी और अन्यजाति दोनों मिलकर, छिपे हुए खजाने और मोती से अदृश्य सार्वभौमिक चर्च बनाते हैं। (८) महाजाल का दृष्टांत (Fd) सिखाता है कि चर्च युग अन्यजातियों के फैसले के साथ समाप्त हो जाएगा; अधर्मी को मसीहा के राज्य से बाहर कर दिया जाएगा और धर्मी को इसमें शामिल कर लिया जाएगा। (९) गृहस्थ का दृष्टांत (Fe) सिखाता है कि रहस्य राज्य के कुछ पहलुओं में परमेश्वर के राज्य के अन्य पहलुओं के साथ समानताएं हैं, क्योंकि अन्य पहलू नए हैं और अन्यत्र नहीं मिलता।